केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 256 मंगलवार 15 अप्रैल 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बाबा साहेब को किया नमन्:योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । भारत रत्न डा० भीम राव अम्बेडकर जी के 135वीं जयन्ती समारोह मण्डलायुक्त सभागार में हर्षोल्लास के साथ मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में मनाया गया। मण्डलायुक्त ने डा० भीम राम अम्बेडकर जी के जयन्ती पर उनके संघर्ष, आदर्शों एवं विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा देश की एकता, अखण्डता, समानता एवं मानव जीवन के सर्वांगीण विकास में उनकी महत्ता का वर्णन किया। कहा कि सबको सम्मान, न्याय, अभिव्यक्ति की आजादी आदि दिलाने का प्रयास किया, जिसे युगों–युगों तक कभी भुलाया नही जा सकता है। डा० अम्बेडकर जी के आदर्श से सीख लेनी चाहिए एवं सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए।

अपर आयुक्त (प्रशासन) मनोज कुमार तिवारी, उप निदेशक पंचायत बस्ती मण्डल समरजीत यादव, प्रशासनिक अधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय, न्याय सहायक रमेश चन्द्र कन्नौजिया, निरीक्षक राजकीय कार्यालय अश्वनी कन्नौजिया, राजस्व सहायक राजेश रसाल, वरिष्ठ सहायक शैलेश श्रीवास्तव द्वारा अपने–अपने विचार व्यक्त किये गये। इस अवसर पर वैयक्तिक सहायक बजरंग बली पाण्डेय, संदीप यादव, अनुपम चौधरी, ओम प्रकाश चौधरी, अमित कुमार, शलभ श्रीवास्तव, समीम अहमद, आफताब अहमद, सौरभ श्रीवास्तव, संजय कुमार, दिनेश कुमार, मुमताज अहमद, ओम प्रकाश पाण्डेय, प्रमोद कुमार आदि कर्मचारी/अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ सहायक जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में गौ सेवा आयोग के महेश कुमार शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, हरैया विधायक अजय सिंह, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह, विधायक प्रतिनिधि हरैया सरोज मिश्रा, फूलचन्द्र श्रीवास्तव व कलेक्ट्रेट के कर्मचारियों द्वारा डा0 अम्बेडकर जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

कुर्मी महासभा ने किया बाबा साहेब को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयन्ती पर भारतीय कुर्मी महासभा द्वारा गौतम बुद्ध मुराली देवी बालिका इण्टर कालेज गोटवा में याद किया गया। जिलाध्यक्ष डॉ. वीके वर्मा ने कहा कि बाबा साहब ने कठिन समय में ऐसे उपेक्षित समाज की आवाज उठायी जो सदियों से दबे कुचले थे। उन्होने शिक्षित बनो, संघर्ष करो का संदेश देने के साथ ही मजबूत संविधान दिया।

बाबा साहब को जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश सचिव आरके सिंह पटेल, मस्तराम वर्मा, बद्री प्रसाद चौधरी, अशोक कुमार वर्मा, केसी पटेल ने कहा कि बाबा साहब का योगदान सदैव याद किया जायेगा।

बाबा साहब को नमन् करने वालों में घनश्याम चौधरी, प्रमोद चौधरी, मायाराम चौधरी, अजय चौधरी, कृपाशंकर चौधरी, विद्यासागर चौधरी, अशोक कुमार चौधरी, डॉ. श्याम नरायन चौधरी, मंशाराम चौधरी आदि शामिल रहे।

बाबा साहेब के नाम पर चलेगा जीरो पावर्टी कार्यक्रम

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि उत्तर प्रदेश में जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम बाबा साहेब डॉ. भीमराव आबेडकर के नाम पर होगा। यह कार्यक्रम इसी महीने आगे बढ़ाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने कांग्रेस के हाथों अपमान सहा लेकिन भारत को अपमानित नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों के सामुदायिक शौचालय को लेकर आश्वस्त किया कि यहां नियमित रूप से समिति को हर महीने मानदेय मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बाबा साहेब व जोगेंद्र नाथ मंडल का जिक्र करते हुए कहा कि इतिहास की घटनाएं सबक होती

हैं। बाबा साहेब को बहुत सारे लोगों ने लालच दिया, लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। बाबा साहेब ने 'आदि से अंत तक भारतीय हूं' संकल्प का उद्घोष किया। उन्होंने अपमान सहा, लेकिन भारत को अपमानित नहीं होने दिया। इस महानता के कारण स्वतंत्र भारत उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। देश में बाबा साहेब की पूजा हो रही है।

बाबा साहेब जयन्ती पर निकली प्रभातफेरी, लगे जय भीम के नारे

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । सोमवार को भारत रत्न बाबा साहब के जयन्ती अवसर पर जनपद के विभिन्न हिस्सों में प्रभातफेरी निकाली गई। इसी कड़ी में भीम पाठशाला समिति द्वारा साऊंघाट विकास खण्ड के कुर्थिया अम्बेडकर पार्क से नरियांव, खझौला, परसा जाफर, पटखौली, कनैनी, पकरी नासिर, मुजहना, जमोहे, देवरिया माफी, ओडवारा, बटेला, गंगाराम मंझरिया, तिलकपुर, प्लास्टिक कम्पलेक्स, बायपोखर, दसौती होते हुये संस्थापक अध्यक्ष रामशंकर आजाद, संस्थापक कोषाध्यक्ष मूलचंद आजाद, मण्डल अध्यक्ष रंजीत गौतम के संयोजन में मलिकपुर अम्बेडकर पार्क पहुंची। हजारों की संख्या में लोग "बाबा साहब अमर रहे" बाबा तेरा मिशन अधूरा, हम सब मिलकर करेंगे पूरा, जयभीम आदि के नारे लगा रहे थे।

संस्थापक अध्यक्ष रामशंकर आजाद, मूलचंद आजाद, रंजीत, विक्रम गौतम एडवोकेट, प्रवीन राना, आदि ने कहा कि बाबा साहब आजीवन छूआछूत, भेदभाव के विरोध में लडे और दबे कुचले समाज को शिक्षित बनो, संघर्ष करो का मंत्र दिया। जब तक समाज में विषमता, भेदभाव है बाबा साहब सदैव प्रासंगिक रहेंगे। मानवता ही उनके लिए सबसे बड़ा धर्म था। समाज के लोगों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। मजदूरों और किसानों के लिए उनकी सोच हमेशा सकारात्मक रहेगी। बताया कि आगामी 19 अप्रैल को प्लास्टिक काम्पलेक्स के निकट मलिकपुरवा अम्बेडकर पार्क में राष्ट्र मिशन गायक विशाल गाजीपुर और सपना बौद्ध के कार्यक्रम के साथ ही संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

बाबा साहब जयन्ती अवसर पर कुर्थिया अम्बेडकर पार्क से निकली प्रभातफेरी में मुख्य रूप से आकाश आर्या, दीपक राव, इरफान प्रधान, अंकुर प्रसाद, सूर्यनाथ भारती, विशाल, विकास, अनिल कुमार, अमन कुमार, विन्दु देवी, फूल कुमारी, आशीष, मुकेश कुमार के साथ ही हजारों की संख्या में लोग शामिल रहे।

युगों तक मार्गदर्शक बने रहेंगे बाबा साहेब के विचार–डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड आयुष पैरा मेडिकल कालेज गोटवा में बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर को उनके जयन्ती अवसर पर याद किया गया। प्रबंधक डा. वर्मा ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वह राजनीतिज्ञ, आंदोलनकर्मी, पत्रकार, समाज सुधारक, कानूनविद् और समाजशास्त्री के साथ अर्थशास्त्री भी थे। उनके विचार युगों तक मार्गदर्शक बने रहेंगे।

बाबा साहब की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा. आलोक रंजन वर्मा, डा. मनोज मिश्र, डा. आर.एन. चौधरी, डा. अतुल कुमार श्रीवास्तव, डा. लालजी यादव, डा. आलोक वर्मा, डा. रीतेश चौधरी, डा. चन्दा सिंह, डा. इरफाना बानो, डा. अनीता वर्मा, डा. जुनेद, डा. सीएम पटेल, डा. राजेश चौधरी, विशाल, सतीश चौधरी, शिव प्रसाद चौधरी, शिवशंकर, मनीष वर्मा, ध्रुवचन्द्र, मनोज गुप्ता, जग प्रसाद, उदयभान, सूरज, राजेश सिंह, शिवशंकर, उत्कर्ष दूबे, डा. रामस्वरूप, डा. सतीश, दीन बन्धु, गोल्डी, मनीषा, अतुल, सतीश, पूजा वर्मा, माया वर्मा, अभिषेक शुक्ल, दीपू चौधरी, अनुपम, अशोक, मनीष, विकास, राजन, शिवकुमार, जगदम्बा, शालू, फूलपती के साथ ही छात्र शामिल रहे।

कर्मचारियों के प्रमोशन में फंसा तकनीकी पेंच

लखनऊ (आभा)। प्रदेश में सचिवालय समेत पूरे राज्य में सरकारी कर्मचारियों का प्रमोशन फंस गया है। पिछले साल की एसीआर लटकी है। हालांकि इस साल का कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया है। सचिवालय कर्मचारियों की पिछले साल की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) लटक गई है और इस साल का एसीआर भरने का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इससे सचिवालय के 200 से ज्यादा कर्मचारियों के प्रमोशन पर संकट आ गया है। दरअसल, जब कभी भी रिक्त पदों के सापेक्ष प्रमोशन होते हैं तो योग्यता के दायरे में आने वाले कर्मचारियों की पांच साल की एसीआर लगती है। बीते साल मानव संपदा पोर्टल पर कर्मचारियों को अपना स्वमूल्यांकन करना था। इस स्वमूल्यांकन की समीक्षा और स्वीकृति होनी थी। बीते साल एसीआर भरने के लिए जो आदेश जारी किया

गया था उसमें कहा गया था कि हर चरण पर समयबद्ध स्वीकृति होनी चाहिए यानी, तय मियाद बीतने के बाद कर्मचारियों के स्वमूल्यांकन की प्रविष्टि अगले चरण पर खुद ब खुद बढ़ जाएगी (ऑटो फॉरवर्ड हो जाएगी)। हालांकि, आदेश पर अमल नहीं हुआ।

समयबद्ध तरीके से न तो उच्चाधिकारियों ने स्वीकृति दी और न ही आवेदन खुद–ब–खुद आगे बढ़े। कर्मचारी इससे परेशान हैं। कुछ कर्मचारियों ने ऑटो फॉरवर्डिंग को लेकर एनआईसी में बात भी की तो पता चला कि उनके पास ऑटो फॉरवर्डिंग को लेकर कोई आदेश ही नहीं आया था। एसीआर को उच्चतम स्तर पर स्वीकृति के लिए 28 फरवरी की तारीख तय की गई थी। इसके बाद पोर्टल लॉक हो गया। जो आवेदन जिस स्थिति में थे, वहीं लॉक हो गए। अब अगर कर्मचारी उन्हें स्वीकृत करने की गुजारिश भी कर रहे हैं तो भी उन्हें स्वीकृति नहीं दी जा सकती।

इस बार की एसीआर का वर्कफ्लो 30 अप्रैल तक कर्मचारियों को जारी करवाने के निर्देश दिए गए हैं। सचिवालय में जुलाई से जून तक चयन वर्ष होता है। एक साल में जुलाई से जून के बीच रिटायर होने वाले कर्मचारियों के सापेक्ष रिक्तियों का आकलन कर लिया जाता है और उसी साल 30 सितंबर तक उनके सापेक्ष प्रमोशन किए जाते हैं। ऐसे में जिन कर्मचारियों की एसीआर अब तक फाइनल नहीं हुई है, उनके प्रमोशन में दिक्कत आ सकती है।

भाजपा, कांग्रेस, सपा जैसे राजनीतिकदल दलितों के हितैषी नहीं–धर्मदेव प्रियदर्शी

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । भारतीय संविधान के निर्माता और समाज के दलितों, उपेक्षित वर्ग को राह दिखाने वाले बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर को उनकी 135 वीं जयन्ती पर बहुजन समाज पार्टी द्वारा याद किया गया। जनपद के सभी नगर पंचायत, नगर पालिका एवं न्याय पंचायत स्तर पर सैकड़ों जगह पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम कर बाबा साहब को नमन् किया। बड़े बन के निकट स्थित एक होटल के सभागार में बसपा जिलाध्यक्ष के अनिल गौतम के संयोजन में गोष्ठी आयोजित किया गया। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये मुख्य मण्डल प्रभारी धर्मदेव प्रियदर्शी ने कहा कि हम सबको मिलकर बाबा साहब के संकल्पों को साकार करने के लिये एक जुट होना होगा यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कहा कि बाबा साहब जिन मूल्यों के लिये आजीवन संघर्ष किया वह चुनौतियां अभी कम नहीं हुई है। भाजपा, कांग्रेस, सपा जैसे राजनीतिक दल दलितों के हितैषी नहीं है। कहा कि देश में बसपा प्रमुख बहन मायावती ही बाबा साहब के पद चिन्हों पर चलकर उनके सपनों को साकार करने में लगी है।

विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी संजय धूसिया, राजेन्द्र गौतम आदि ने बाबा साहब के योगदान पर प्रकाश डाला।

बसपा जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने बताया कि बाबा साहब के जयन्ती अवसर पर जनपद के अनेक हिस्सों में प्रभातफेरी, संगोष्ठी के साथ अनेक कार्यक्रम हुये और बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान पर चर्चा की गई। कहा कि बाबा साहब का योगदान युगों तक याद किया जायेगा। हम सबको मिलकर उनके संकल्पों को पूरा करना होगा।

बाबा साहब पर केन्द्रित संगोष्ठी में मुख्य रूप से नौमी प्रसाद, देशराज, राजीव राव, प्रदीप कुमार गौतम, रामसागर, प्रिन्स कुमार, रामफूंर गौतम, रामचन्द्र, रामचेत निराला, राम सरोज, ई. राजेश प्रताप, आशुतोष सिंह, जुगुल किशोर, प्रमोद कुमार, दीपक, विष्णु आनन्द, अलीम अहमद, संजय मौर्य, विनय अम्बेडकर, कृपाशंकर, के.पी. राठौर, अनूप, उमाशंकर, अशोक कुमार, सरजू प्रसाद, राजेश कुमार, वृजेश, भरत, आदित्यराना, बनवारीलाल कन्नौजिया, प्रेम सागर, डा. निसार अहमद, अनिल आजाद, गुरुदेव निगम, सुभाष गौतम, विमल कुमार, शेखर, सुरेश, पंकज, के.सी. मौर्या, अनीष प्रेमी, आर.सी. बौद्ध, बलवन्त के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गोष्ठी के आरम्भ में बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन कर उन्हें नमन् किया गया।

बाबा साहेब की जयन्ती पर समाजवादियों ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बाबा साहब के जयन्ती अवसर पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने उनके व्यक्तित्व, कृतित्व, योगदान पर विस्तार से चर्चा किया। इस मौके पर 30 से अधिक रक्तदान किया। सपा जिलाध्यक्ष और सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने बाबा साहब को नमन् करते हुये कहा कि बाबा साहब हमेशा लोगों को साथ लेकर चले, इसीलिए उनका व्यक्तित्व इतना बड़ा बन सका। सांसद राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि बाबा साहब का मानना था कि व्यक्ति की तरक्की में सभी का साथ होता है, इसलिए उसे लोगों को साथ लेकर चलना चाहिए। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कहा कि बाबा साहब खुद की क्षमताओं पर यकीन रखते थे, उनका मानना था कि अगर व्यक्ति को खुद पर भरोसा है तो वो बड़े से बड़ा काम भी आसानी से कर सकता है। उन्होने कठिन परिवेश में समाज निर्माण के दायित्वों

को बखूबी निभाया। नयी पीढी को बाबा साहेब से प्रेरणा लेना चाहिये।

सपा विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र, मो. स्वालेह, राजाराम यादव, राजकपूर यादव, दयाशंकर मिश्र, जावेद पिण्डारी, पंकज मिश्र, गीता भारती, मो. सलीम, हरेश्याम विश्वकर्मा, जोखूलाल यादव, विपिन त्रिपाठी, अजय यादव, बबिता गौतम, शकुन्तला चौरसिया, आर.डी. निषाद आदि ने कहा कि बाबा साहब का बचपन काफी संघर्ष भरा था, लेकिन उन्होंने हर परिस्थिति का डटकर सामना किया और अपनी शिक्षा को पूरा किया। ये बाबा साहब की कावितियत ही थी कि उन्होंने 32 डिग्रियां हासिल की, इतना ही नहीं डॉक्टरेट की डिग्री उन्होंने विदेश से ली, इसके बाद दलितों के उत्थान के लिए काम करना शुरू किया। उन्हे भारत के संविधान निर्माण का श्रेय है। उनका व्यक्तित्व विराट है, उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

बाबा साहब के जयन्ती अवसर पर रक्तदान करने वालों में सपा जिलाध्यक्ष और महेन्द्रनाथ यादव,युनूस आलम, अरविन्द सोनकर, हनुमान गौड़, सुशील यादव, धर्मवीर यादव, दिनेश तिवारी, पंकज निषाद, राहुल सोनकर, अकबर अली, रौनक उपाध्याय, विपिन त्रिपाठी, विजय विक्रम आर्य, रवि यादव, तूफानी प्रधान, विशाल सोनकर, सन्तोष वर्मा, लालमन यादव, मल्लू उर्फ नितराम चौधरी, विवेक यादव डिम्पल, शकील अहमद, उदित पाण्डेय, मो. रईस, अमित गौड़, हरिवंश कुमार, रामाशीष वर्मा, चन्द्रभान गौतम, प्रवीण पाठक आदि शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रशान्त यादव, नीलू सिंह, नवीन पाण्डेय, महेश चौधरी, श्याम सुन्दर, शंकर यादव, रामशंकर निराला, जर्सी यादव, विशाल सोनकर के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चकबंदी में हो रहे गड़बड़ी को लेकर डीएम से मिलेंगे अमरौली शुमाली के लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती– अमरौली शुमाली में चल रहे चकबंदी प्रक्रिया से असंतुष्ट किसानों ने एक बैठक किया । बैठक में किसानों ने बताया कि चकबंदी अधिकारियों द्वारा उनके मूल गाटे पर दूसरे का चक बना दिया है । चकबंदी विभाग द्वारा किसानों से किये जा रहे धनउगाही की बात भी बैठक में उठाई गई।

किसानों ने कहा कि जिन किसानों का जमीन कम मालियत में था उनकी जमीन अधिक मालियत वाले नंबर में बना कर उनकी जमीनें कम कर दी गई जिससे सीधे–साधे किसानों की जमीन बहुत कम हो गई व दूसरे चक नंबर पर कर दिए जाने से परेशान हैं । बताया की किसानों के लंबित मुकदमों का निस्तारण किये बगैर ग्राम पंचायत में पैमाइश की तैयारी की जा रही है जिसकी वजह से किसानों में काफी आक्रोश है।

किसानों का कहना है कि पहले चकबंदी प्रक्रिया में चल रहे मुकदमों का निस्तारण किया जाए और चकबंदी अधिकारियों द्वारा गांव में सेक्टरवार बैठक कर किसानों की आपत्तियों को दूर करने के बाद पैमाइश की प्रक्रिया शुरू की जाए। बैठक में राम सूरत गौतम ने बताया कि गाटा संख्या 1848 जो अनुसूचित जाति हेतु आबादी व कब्रिस्तान की जमीन सुरक्षित की गई थी उसे साजिश करके खारिज कर दिया गया। नेबूलाल ने बताया कि गाटा संख्या 1754 जो उनका मूल चक है जिसमे दूसरे का का चक बना दिया गया और एक चक की जगह अलग अलग जगहों पर चार चक बना दिया गया ,उन्होंने बताया कि चकबंदी आयुक्त को अपनी समस्या हमने पत्र के माध्यम से बताया लेकिन उसका निस्तारण करने बगैर पैमाइश प्रक्रिया पूरी करने की जल्दबाजी की जा रही है ।

राम चन्द्र पुत्र अलगू ने बताया कि उनके द्वारा चकबंदी न्यायालय में कोई मुकदमा नही किया गया था किंतु मुझे फर्जी तरीके से वादी बनाकर मुझे ही हरा दिया गया जिससे किसी सक्षम न्यायालय में मुकदमा न कर सकें ।बताया की चकबन्दी अधिकारी प्रदीप श्रीवास्तव द्वारा मेरे चक से कटौती करके 37 एअर जमीन बेच दी गयी ।

किसानों ने बताया कि जुलाई 2024 में अचानक तेज बरसात होने के कारण रिकार्डरूम में रखा समस्त दस्तावेज भीग कर खराब हो गया था जो पढ़ने योग्य नही रह गया है । ऐसे में चकबंदी अधिकारियों द्वारा गांव में आगामी 20 अप्रैल को सही से पैमाइश किया जाना सम्भव नही है। उपस्थित किसानों ने बैठक में मांग किया कि सर्वप्रथम रिकार्ड को दुरुस्त करके किसानों की समस्याओं को सुनकर पुनः सर्वे कर मामले का निस्तारण करें उसके बाद चकबंदी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए। निर्णय लिया गया कि 15 अप्रैल दिन मंगलवार को सामूहिक रूप से उपस्थित होकर जिलाधिकारी से मिलकर समस्याओं के निस्तारण हेतु पत्र सौंपा जाएगा।

इस अवसर पर राधेश्याम चौधरी, सौरभ वीपी वर्मा, पीवएनव श्रीवास्तव ,प्रदीप चन्द्र वर्मा ,आरवएनव पटेल ,उमेश गुप्ता , रबी ,राजेश , चन्द्र प्रकाश गुप्ता , जग्गनाथ , घिसियावन , राजेन्द्र प्रसाद , विजय ,श्रवण कुमार , शिव पूजन , विक्रम प्रसाद , आदित्य पाल , धर्मपाल , राम कृपाल , राजनारायण , राज बिहारी ,प्रभात प्रकाशन कुमार , रितेश ,राम अवध ,अर्जुन मौर्या कनिकराम चौधरी ,कुलदीप कुमार ,राम चन्द्र जगदीश ,पुदुल सिंह , दिनेश चौधरी ,राजितराम , राम धीरज , उमेश चन्द्र ,हृदय राम , संतराम , रैंगीता समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

बाबा साहेब जयन्ती पर सम्मानित किये गये निष्ठावान कांग्रेसी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को संविधान निर्माता, देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमण्डल में विधि मंत्री मंत्री रहे बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर को कांग्रेस कार्यालय पर जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के संयोजन में याद किया गया। इस मौके पर कांग्रेस में कई पीढ़ियों से योगदान करने वाले दलित वर्ग के नेताओं, कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि संघ परिवार और भारतीय जनता पार्टी सदैव दलितों की मानसिक रूप से विरोधी रही है। महात्मागांधी, पं. जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, डा. मनमोहन सिंह की सरकारों में समाज के दलित, उपेक्षित, अल्पसंख्यक वर्ग, गरीबों को विकास के सर्वाधिक अवसर दिये गये। भूमिहीनों में जमीनों का वितरण, बैंकों

-दलितों की विरोधी है संघ और भाजपा, कांग्रेस ने दिया विकास का अवसर-विश्वनाथ चौधरी

का सरकारी करके उन्हें योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया। कहा कि भाजपा संविधान को ही बदल देना चाहती है किन्तु कांग्रेस हर स्तर पर संविधान की रक्षा के लिये अपना संघर्ष जारी रखेगी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने अनेक स्थानों पर बाबा साहब के जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

मुख्य रूप से पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, कौशल त्रिपाठी, अनिल भारती, साधूशरन आर्य, गिरजेश पाल, अमित प्रताप सिंह, नवदेश्वर शुक्ल के साथ ही अनेक नेताओं ने बाबा साहब के योगदान और कांग्रेस की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि बाबा साहब और कांग्रेस एक दूसरे से भिन्न नहीं है।

बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से अतिउल्लाह सिद्दीकी, वाहिद अली सिद्दीकी, नफीस अहमद, अनिल भारती, शकुंतला देवी, नन्हू प्रसाद सोनकर, लाल जीत पहलवान, गंगा प्रसाद मिश्रा, राजू कनौजिया, प्रमोद कुमार द्विवेदी, अनिल त्रिपाठी, संजय कुमार मुकेश, अलीम अख्तर, शौकत अली, रामबचन भारती ,राम धीरज चौधरी, सर्वेश कुमार शुक्ला ,सुनील पाण्डेय, गुड्डू सोनकर, मोहम्मद अकरम, आनंद निषाद, अभिषेक सिंह सूर्यवंशी, अजय चौधरी रिंकू पाण्डेय, बेचू गुप्ता रविंद्र कुमार चौधरी के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 अप्रैल 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

युवाओं का पलायन और बुजुर्ग

धरती पर बुजुर्ग मानवता के वर्तमान व भविष्य के बीच सेतु हैं।बुजुर्गावस्था को हमारे ग्रन्थों में वानप्रस्थ आश्रम व सन्यास आश्रम में विभक्त किया गया है। वानप्रस्थ व सन्यास इस अवस्था की सहज स्थिति है । जो भविष्य की तैयारी है। देहान्त के वक्त व देहान्त के बाद की सूक्ष्म दशा का निर्धारक है। मानव जीवन के इस आखिरी पड़ाव में मानव के जिए जीवन, सोंच, आदतों, दिनचर्या ,रुचि का असर कम नहीं देखा गया। जो परेशानी बन कर भी दिख सकता है। जैसे कि कोई बचपन से अभी तक रसगुल्ला खाने को ,उसके लिए व्यवस्था बनाने को आदत, दिनचर्या, वक्त देने, सोंच, नजरिया, रुचि आदि स्तर पर मजबूत कर लिया और रसगुल्ला का विचार, भाव, वक्त आदि अचेतनमन में काफी गहराई तक बैठ गया तो वह बुजुर्गावस्था में परेशानी बन कर भी आ सकता है।यहाँ तक कि देहान्त के बाद हमारे सूक्ष्मतन्त्र में भी।बुजुर्गावस्था तो नई पीढ़ी के लिए अनुभवों की खान सिद्ध होना चाहिए। विसंगति है कि युवा पीढी के पलायन के कारण घरों में बुजुर्ग उपेक्षा के शिकार हैं।

केरल की गिनती देश के सबसे शिक्षित राज्यों में होती है। लेकिन आज 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। दरअसल, समुद्र तट से लगे इस राज्य में खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ लगी रही है। शिक्षा ने जहां प्रगतिशील सोच दी है, वहीं अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है। यह होड़ हाल के वर्षों में पंजाब–हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति–नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता–आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता–पिता का क्या होगा। एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक–दूसरे के हाल–चाल जान सकें। निश्चय ही ऐसे वैकल्पिक प्रयासों से सामाजिक सुरक्षा को संबल मिलेगा।

बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। यह वक्त बताएगा कि लाल–फीताशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कब तक कारगर भूमिका निभाना शुरू करेगा। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है। देखना होगा कि सरकारी अधिकारी कितनी संवेदनशीलता से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करते हैं। सरकार का दावा है कि यह आयोग एकाकीपन का त्रास झेल रहे बुजुर्गों के अधिकार, कल्याण और पुनर्वास के लिये काम करेगा। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर–घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। लेकिन देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के घुन से खोखली होती व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिक आयोग ऐसे संकट का कारगर समाधान उपलब्ध कराने में किस हद तक सफल हो पाता है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता इसमें सहायक बनेगी। नीति–नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में युवा भारत बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं?

आतंकवाद और पाकिस्तान की खामोशी से उठती आवाजें

—ज्योति मल्होत्रा—

'पाकिस्तान को मुंबई में हुए आतंकी हमले का सामना करना ही पड़ेगा, जिसकी योजना उसकी धरती पर बनी। इसके लिए उसे सच्चाई का सामना करने की जरूरत है। सुरक्षा तंत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लंबे समय से लंबित इस जघन्य आतंकी हमले के अपराधियों और मास्टरमाइंड को न्याय के कठघरे में खड़ा जाए।'

अगर आप सोचते हैं कि क्या पाक एक नया अध्याय शुरू करेगा और उसने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों को अंजाम देने वालों के बारे में ईमानदारी बरतने का फैसला लेलिया है दृ खघस तौर पर तहब्बुर राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किए जाने की प्रतिक्रिया स्वरूप दृ तो एक बार फिर से सोचें। यह पैराग्राफ 3 अगस्त, 2015 को पाकिस्तान के अखबार 'डॉन' में तारिक खोसा द्वारा लिखे गए लेख से लिया गया है, जोकि पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी के पूर्व मुखिया हैं और उन्होंने 2009 में मुंबई आतंकी कांड की जांच की थी।

खोसा ने लेख लिखते समय शायद सच की घुट्टी पी रखी होगी! ठीक उसी प्रकार, जब पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 2018 में 'डॉन' को दिए एक साक्षात्कार में कुबूल किया था – 'आतंकवादी संगठन (अभी भी) सक्रिय हैं' और सवाल उठाया था कि क्या पाक को उन्हें 'सीमा पार करके मुंबई में 150 लोगों को मारने की अनुमति देनी चाहिए थी?' इतना भर कहने पर नवाज पर देशद्रोह का केस जड़ दिया गया था। अहम यह कि दोनों लेख अभी भी डॉन की वेबसाइट पर पढ़े जा सकते हैं दृ महत्वपूर्ण इसलिए कि यदि पिछले कुछ दिनों आपने पाकिस्तानी अखबार देखे हों,तो आपको यह सोचने के लिए माफ कर दिया जाएगा कि कहीं आप किसी और देश के समाचारपत्र तो नहीं पढ़ रहे। पाक मूल के कनाडाई नागरिक राणा के बारे में एक शब्द तक नहीं है, जो 2008 के मुंबई हमलों के दो प्रमुख षड्यंत्रकारियों में से एक है, जिसे हाल ही में भारत प्रत्यर्पित किया गया है। एक भी शब्द नहीं।

शहबाज शरीफ सरकार बलूचिस्तान के मसले से जिस तरह निपट रही है, उस पर आलोचनात्मक लेख? हां है। पाकिस्तान सुपर लीग पर संपादकीय? हां है। अर्थव्यवस्था पर निराशाजनक टिप्पणी? हां है। लेकिन राणा की वापसी पर, और विस्तार से मुंबई हमलों पर, जब पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रशिक्षित 10 पाकिस्तानी कराची से मुंबई के लिए भेजे गए, और उन्होंने नवंबर 2008 में लगभग तीन दिनों तक भारत के वित्तीय केंद्र को बंधक बनाए रखा – एक शब्द तक नहीं, पूरा वाक्य तो दूर की बात है।

आपको हैरानी नहीं हो रही, जानते हैं कि क्यों। एक ओर, पाक सरकार ने अपने दरवाजे खोल दिए और पाकिस्तान के लोगों ने अपने दिल दृ और 6,500 सिख तीर्थयात्रियों को वीजा दिए, ताकि वे ननकाना साहिब, पंजा साहिब, करतारपुर साहिब और अन्य गुरुद्वारों में बैसाखी मना सकें। द ट्रिब्यून और अन्य समाचार पत्रों में इस मौके पर हाथ जोड़े खुशी–खुशी जा रहे वरिष्ठ नागरिकों की तस्वीरें छापीं, जो एक आनंदमयी तीर्थयात्रा की शुरुआत है।

दूसरी ओर, 17 लंबे सालों से, निर्वाचित सरकारों और अपनी जनता को बंधक बनाकर रखने वाले पाक सैन्य प्रतिष्ठान ने न केवल प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार पर, बल्कि पूरे मीडिया पर भी कड़ा शिकंजा कस रखा है – ताकि मुंबई के भयावह कांड पर प्रकाशक की कलम से निकलकर एक भी शब्द पन्ने पर छप न पाए। और इसलिए इस कांड में शामिल लश्कर–ए–तैयबा के सह–संस्थापक हाफिज सईद से शुरू करके जकी–उर–रहमान लखवी तक के तमाम साजिशकर्ता खबरों से गायब हैं। शिकागो जेल में बंद दूसरे मास्टरमाइंड डेविड हेडली का भी कोई जिक्र नहीं है। मेजर इकबाल हो या साजिद मीर या अब्दुल रहमान, हाशिम सैयद या फिर इलियास कश्मीरी, इनपर भी कोई बात नहीं है – सभी के खिलाफ एनआईए ने आरोप पत्र दायर कर रखा है और वे आज भी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं।

मुंबई के उन दिनों और रातों की यादें पाक पर कफन की तरह मंडरा रही हैं। आमतौर पर तेवर रखने वाला पाकिस्तानी मीडिया, वह जो अतीत में अयूब खान से लेकर टिक्का खान तक के तानाशाहों और निरंकुश शासकों के सामने डटा रहा दृ जब पत्रकारों को पीटा गया, जेल में डाला गया, प्रताड़ित किया गया, उनके परिजनों को धमकाया गया– ऐसा लगता है कि अब उनका मुंह बंद हो चुका है, वे थक चुके हैं, बूढ़ा गए हैं। हो सकता है उन्होंने होंठ इसलिए सिल रखे हों कि उन्हें नई सुबह का इंतजार हो शायद मुंबई के बारे में कुछ ऐसा है, जिसने चुप्पी का लिहाफ ओढ़े रखना सुनिश्चित कर रखा है। नवाज शरीफ को देशद्रोह का केस झेलने के अलावा, पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जनरल महमूद दुर्रानी को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी थी, जब उन्होंने 2009 में स्वीकारा कि कसाब एक पाक नागरिक है। केवल खोसा बचे रहे।

इसी बीच, पाक सेना की नजर–ए–इनायत इमरान खान से हटकर नवाज के छोटे भाई शहबाज और नवाज शरीफ की बेटी मरियम, जोकि पंजाब की मुख्यमंत्री हैं, की तरफ हो गई है। पाक के आधे अभिजात्य वर्ग के पास दोहरे पासपोर्ट हैं, लिहाजा उनका एक पांव पश्चिम में रहता है, और हालात प्रतिकूल होते ही वहां खिसक लेते हैं। अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है। चीन का साया और गहराता एवं पुख्ता होता जा रहा है। तथापि खोसा के 2015 के लेख के हर शब्द की गूंज बनी हुई है। न तो वे कभी अपनी इस कथनी से पीछे हटे,न ही डॉन, भले ही इन दोनों ने अब चुप्पी साधी हो।

खोसा ने उस लेख में मुंबई कांड के सूत्रधारों पर फेडरल एजेंसी की जांच में कहा रू 'सर्वप्रथम, कसाब एक पाक नागरिक है, जिसके घर, प्रारंभिक स्कूल व आतंकी संगठन से जुड़ने का जांचकर्ताओं ने पता लगा लिया था। दूसरे, लश्कर–ए–तोयबा के आतंकवादियों को सिंध के थट्ठा के पास प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें समुद्र के रास्ते रवाना किया गया। जांचकर्ताओं ने प्रशिक्षण शिविर की शिनाख्त की और जांच हेतु कब्जे में ले लिया। मुंबई में प्रयुक्त विस्फोटक उपकरणों के खाली बक्से शिविर से बरामद हुए थे । तीसरा,आतंकी जिस भारतीय नौका से मुंबई पहुंचे थे, उसको अगवा करने के पहले आतंकवादियों के ट्रॉलर को वापस बंदरगाह पर लाया गया, उसे रंगा गया और छिपा दिया गया। इसकी बरामदगी से आरोपियों की कड़ी जुड़ी। चौथा, मुंबई बंदरगाह के पास आतंकियों ने जो 'डिंगी' लावारिस छोड़ी, उसके इंजन पर लगे पेटेंट नंबर के जरिए जांचकर्ताओं ने जापान से लाहौर और फिर कराची में खेल का सामान बेचने वाली दुकान तक पहुंचने तक के आयात–रूट का पता चला लिया। वहीं से लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े एक आतंकी ने इसे डिंगी सहित खरीदा था। जांच आरोपी से जुड़ी, उसे गिरफ्तार किया गया। पांचवां, कराची का वह ऑपरेशन रूम, जहां से कांड को निर्देशित किया गया, उसे भी जांचकर्ताओं ने कब्जे में लिया। वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल के जरिए स्थापित संचार तंत्र का पता लगा। छठा, कथित कमांडर व उसके सहयोगियों की पहचान हुई, उन्हें गिरफ्तार किया गया। सातवां, विदेशों में बसे कुछ फाइनेंसरों व सुविधा प्रदानकर्ताओं को गिरफ्तार कर मुकदमे हेतु पाक लाया गया।' लेख के अंत में खोसा ने कहा कि भारतीय आधिकारियों ने 2009 में यह माना था कि पाक ने अपनी जांच को पेशागत दक्षता से अंजाम दिया, जिसमें सात साजिशकर्ताओं पर आरोप तय हुए, लेकिन उन्होंने चेताया कि 'बाकी गायब कड़ियों को जोड़ने की जरूरत भी है। और पूछा रू 'क्या बतौर राष्ट्र इस सच का सामना करने व देश के सामने खड़े आतंकवाद का सामना करने की हिम्मत जुटाने को हम तैयार हैं?' खोसा का सवाल आज भी पाक पर जस–का–तस मंडरा रहा है–बशर्ते फिर से पूछने और मीडिया को छापने की अनुमति हो।—लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

आत्मनिर्भरता के लिये उठाने होंगे ठोस कदम

—सुरेश सेठ—

डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका का राष्ट्रपति पद संभालते समय वादा किया था कि वे विश्व में शांति के प्रतीक बनेंगे। उन्होंने इस्राइल–हमास संघर्ष को समाप्त कराने और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मित्रवत संबंधों के आधार पर रूस–यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की बात कही थी। लेकिन धरातल में ये संभव न हुआ। अब युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, आर्थिक मोर्चे पर भी लड़े जा रहे हैं। देश और नेता, जो मूलतः व्यापारी मानसिकता रखते हैं, अब टैरिफ के जरिए एक–दूसरे को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इस आर्थिक युद्ध में जनता की आजीविका, देश की अर्थव्यवस्था और व्यापारिक स्थिरता बुरी तरह प्रभावित होती है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने कार्यकाल में दर्जनों देशों के खिलाफ टैरिफ वॉर की शुरुआत की। इन देशों पर अमेरिका ने 10 से 50 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ाया। इस नीति का असर केवल वैश्विक व्यापार पर ही नहीं, बल्कि मंदी, बेरोजगारी और आर्थिक अस्थिरता के रूप में साफ दिखने लगा है। अमेरिका ने भारत से आने वाले उत्पादों पर भी शुल्क लगाकर स्पष्ट कर दिया कि वह अब अपनी 'उदार' नीतियों में बदलाव लाएगा। नतीजतन भारत में महंगाई बढ़ेगी, शेयर बाजार गिरे, और आर्थिक योजनाएं प्रभावित हुईं।

भारत, जो अमेरिका से जो उत्पाद आयात करता है, अब मूल्य और कर दोनों के दबाव में है। यदि अमेरिका इन वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाता है, तो भारतीय बाजार में महंगाई बढ़ेगी। आरबीआई की मौद्रिक नीतियां भी अस्थिरता से प्रभावित हो रही हैं।

अमेरिका का कहना है कि भारत और अन्य देश अपने निर्यात पर अत्यधिक शुल्क लगाते हैं, इसलिए वह भी जवाबी शुल्कों की एक शृंखला लागू करने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका इस कदम को अपने लिए 'मुक्ति दिवस' के रूप में देख रहा है, जबकि उसकी आम जनता इस नीति से पूरी तरह सहमत नहीं है। अमेरिका का मानना है कि समय आ गया है जब उसे अपनी अब तक की उदार व्यापार नीतियों में बदलाव करना चाहिए।

इस नीति का सीधा प्रभाव भारत जैसे देशों पर पड़ेगा, जहां घरेलू उत्पादन पर दबाव बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा में गिरावट आ सकती है। यदि अन्य देश भी जवाबी टैरिफ वॉर शुरू कर देते हैं, तो यह न केवल अमेरिका बल्कि भारत जैसे विकासशील देशों के आम नागरिकों के हितों को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

चाहे अमेरिका का उद्देश्य यही है कि इतना अधिक शुल्क लगाने वाले देशों को भी मजबूरन अपना शुल्क कम करना पड़े परन्तु दुनिया के पिछड़े देशों और भारत के लिए भी अमेरिका अभी तक आशा की एक किरण रहा है। वह इन देशों से जितना माल खरीदता है, उससे कम सामान बेचता है। इन पिछड़े देशों का ऊंचा टैक्स भार उठाते हुए और उन्हें उदार कर देते हुए वह हमेशा घाटे का सौदा करता है।

भारत लंबे समय से अमेरिका पर व्यापारिक सहयोग के लिए निर्भर रहा है, लेकिन अब अमेरिका पहले जैसी उदारता दिखाने को तैयार नहीं है। वह अपने यहां आने वाले उत्पादों पर ऊंची टैरिफ दरें लगाकर वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में भारत के सामने दो ही विकल्प हैं रू एक, अमेरिका के साथ एक विस्तृत द्विपक्षीय व्यापार समझौता कर लिया जाए दूसरा, टैरिफ युद्ध से डरकर अपने निर्यात उत्पादों पर शुल्क कम कर दिया जाए, ताकि यह करों की लड़ाई बेलगाम न हो जाए।

परंतु अमेरिका से टैरिफ युद्ध लड़ना भारत जैसे आयात–आधारित अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए बेहद कठिन है। हमारे यहां जिन वस्तुओं का आयात होता है, उनकी मांग इतनी लचीली है कि यदि उनकी आपूर्ति में बाधा आए तो देश का उत्पादन और निवेश प्रभावित हो सकता है। ट्रम्प की इन आक्रामक नीतियों से आर्थिक अस्थिरता और भी बढ़ गई है।

इसका समाधान यह नहीं कि भारत अपनी टैरिफ दरें घटाकर अपने ही उत्पादकों और निवेशकों को नुकसान की स्थिति में पहुंचा दे। कृषि क्षेत्र में तो स्थिति और भी जटिल हैकृ भारत अपने कृषि उत्पादों का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा रियायती दरों पर गरीबों में वितरित करता है। ऐसे में यदि इन्हीं उत्पादों को ऊंची दरों पर अमेरिका को निर्यात किया जाएगा, तो घरेलू कीमतों को संतुलित रखना मुश्किल हो जाएगा।

भारत ने इसका एक संभावित समाधान खोजा हैकृ व्यापार की दिशा का वैविध्यकरण और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते। हालांकि, अमेरिका की ओर से लगातार अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकियां भारत की नीतिगत स्थिरता को प्रभावित करती हैं। इसलिए अब भारत को यह ठान लेना चाहिए कि वह आयात–निर्भर आर्थिक ढांचे से बाहर निकले और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए।

—लेखक साहित्यकार हैं।

अचानक होती मौतें और कोविशील्ड

—विनीत नारायण—

कोविड के बाद से पूरे देश में ऐसी मौतों की बाढ़ सी आ गई है। जिन जागरूक डाक्टर, वकील और सामाजिक कार्यकर्त्ताओं ने कोविशील्ड वैक्सीन की क्षमता पर संदेह किया था और यह आरोप लगाया था कि बिना सही परीक्षण किए, जल्दबाजी में, प्रशासनिक दबाव बना कर जिस तरह पूरे देश में कोविशील्ड का टीकाकरण किया गया इससे लोगों की जान को भारी खतरा पैदा हो गया।

बिना किसी बीमारी या चेतावनी के लगातार अचानक युवाओं की मृत्यु क्यों हो रही है? क्या यह कोविशील्ड के वैक्सीनेशन का दुष्परिणाम है? क्योंकि कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी ने सर्वोच्च अदालत में अब यह स्वीकार कर लिया है कि उनके इस वैक्सीन से खून के थक्के जमने की संभावना होती है। पिछले हफ्ते क्रिकेट खेलते एक युवा की अचानक मौत हो गई। अपने विदाई समारोह में कालेज में भाषण देते–देते एक 20 वर्ष की महिला अचानक मर गई। रामलीला में मंच पर हनुमान जी का किरदार निभाने वाले कलाकार की अचानक मंच पर ही मृत्यु हो गई। अपने विवाह में पति के गले में जयमाला डालते–डालते नववधू मर कर गिर गई।

कोविड के बाद से पूरे देश में ऐसी मौतों की बाढ़ सी आ गई है। जिन जागरूक डाक्टर, वकील और सामाजिक कार्यकर्त्ताओं ने कोविशील्ड वैक्सीन की क्षमता पर संदेह किया था और यह आरोप लगाया था कि बिना सही परीक्षण किए, जल्दबाजी में, प्रशासनिक दबाव बना कर जिस तरह पूरे देश में कोविशील्ड का टीकाकरण किया गया इससे लोगों की जान को भारी खतरा पैदा हो गया। मुंबई उच्च न्यायालय के वकील निलेश ओझा ने कोविशील्ड कंपनी और भारत सरकार के विरुद्ध मुंबई उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में जनहित के मुकदमे दायर करके वैक्सीन बनाने वाली कंपनी पर दबाव बनाया जिसके चलते इस कंपनी ने अपने वैक्सीन के दुष्परिणामों की संभावनाओं को अदालत में स्वीकार किया। इससे यह सिद्ध हो गया कि यह वैक्सीन बिना परीक्षण पूरा किए ही जल्दबाजी में पूरे देश पर थोप दिया गया। इन लोगों को और देश के तमाम जागरूक लोगों को इस बात से भारी नाराजगी है कि भारत की मौजूदा सरकार, ऐसी अचानक हो रही मौतों की न तो संख्या जारी कर रही है और न ही उसके कारणों की जांच करवा रही है। यह बहुत चिंता की बात है।

इसी समूह से जुड़ी डा. सुसन राज जो मध्य प्रदेश के राजनांदगांव जिले में रहती हैं, उनका दावा है कि सारी मौतें कोविशील्ड वैक्सीन के कारण ही हो रही हैं। डा. सुसन राज हर उस व्यक्ति को, जिसने ये टीका लगवाया था, चेतावनी दे रही हैं कि वे यथा शीघ्र अपने शरीर को 'डिटॉक्स' (विषमुक्त) कर लें जिससे कोविशील्ड वैक्सीन के संभावित दुष्परिणामों से बचा जा सके। 'डिटॉक्स' करने की ट्रेनिंग वह जूम कॉल पर दुनिया भर के हजारों लोगों को दे चुकी हैं। उनकी यह प्रक्रिया इतनी सरल है कि कोई भी व्यक्ति देश–दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न बैठा हो वह डा. सुसन राज से जूम कॉल पर खुद को विषमुक्त करने का तरीका सीख सकता है। यह तकनीक बहुत सरल है और घर बैठे अपना ट्रीटमैंट किया जा सकता है।

एक रोचक तथ्य यह है कि हमारे आपके सामाजिक दायरे में जिन लोगों ने कोविशील्ड वैक्सीन नहीं लगवाई थी वे आज भले चंगे हैं। जिन्होंने लगवाई थी उनमें से बहुत सारे लोगों को अजीबो–गरीब बीमारियां शुरू हो गई हैं। मेरे ही परिवार में मुझ समेत कई लोगों को ऐसी बीमारियां हो गई हैं जिनका कोई कारण समझ में नहीं आता। क्योंकि हम सब एक संतुलित शाकाहारी सात्विक जीवन जीते हैं। हालांकि एक पक्ष ऐसा भी है जो मानता है कि इन मौतों और बीमारियों का वैक्सीन से कोई लेना–देना नहीं है। पर ये पक्ष इन मौतों और अचानक पनप रही इन बीमारियों का कारण बताने में असमर्थ हैं। इसलिए डा. सुसन सबको सलाह देती हैं कि वे अपने शरीर को वैक्सीन के विष से मुक्त कर लें और स्वस्थ जीवन जिएं।

डा. सुसन के अनुसार हमारी कोशिकाएं 7 तरीकों से खुद को डिटाक्स करती हैं। पांच रासायनिक डिटॉक्स हैं, एक यांत्रिक डिटॉक्स है और एक विद्युत डिटॉक्स है। ऑक्सीकरण और जलयोजन 5 रासायनिक डिटॉक्स में से दो हैं, जिनका उपयोग कोशिकाएं करती हैं। आमतौर पर यह सांस लेने, जूस और पानी के द्वारा किया जाता है। इन दो कार्यों का समर्थन करने के लिए, हम क्या कर सकते हैं, एक घोल तैयार करें जिसमें ऑक्सीजन के 2 अणु नमक से क्लोराइड के एक अणु के साथ बंधते हैं, और इसे पानी में घोलते हैं। यह ऑक्सीजन युक्त पानी बन जाता है, जो ऑक्सीकरण द्वारा बहुत कुशल डिटॉक्स करता है।

एंटीऑक्सीडेंट भोजन, जड़ी–बूटियां और तेल हैं जिनमें प्रोटीन, विटामिन, खनिज, कार्ब्स और वसा होते हैं। ये वस्तुएं कोशिका संरचना का निर्माण करके डिटॉक्स करती हैं। एंडोक्राइन स्राव को मन की शक्ति द्वारा प्रबंधित किया जाता है जो विचारों में परिवर्तित होने वाली सूचनाओं और फिर सकारात्मक भावनाओं से जुड़कर अच्छा महसूस कराने वाले न्यूरोट्रांसमीटर का उत्पादन करके बनाया जाता है, जो 90 प्रतिशत बीमारियों को ठीक कर सकता है। ऑटोफैगी स्वयं खाने का उपयोग करके डिटॉक्स करता है। यह उपवास में होता है। यहां वह डिटॉक्स है जिसे एकीकृत सैलुलर डिटॉक्स थेरेपी में जोड़ा जाता है। हमारा दिमाग सोशल मीडिया, नकारात्मक खबरों और अनावश्यक विचारों से भरा रहता है। मानसिक डिटॉक्स के लिए ध्यान और माइंडफुलनैस का अभ्यास प्रभावी है। रोजाना कुछ समय शांत बैठकर अपने विचारों को व्यवस्थित करें। अनावश्यक जानकारी से दूरी बनाएं और सकारात्मक किताबें पढ़ें।

रोडवेज की बस और डीजल के टैंकर से टकराई, मची चीख–पुकार, 20 यात्री घायल

संवाददाता–देवरिया। सोमवार को रोडवेज की एक अनुबंधित बस टैंकर से टकरा गई। इस भिडंत के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। हादसे में 20 यात्रियों के घायल होने की सूचना है। कई एंबुलेंसों से उन्हें देवरिया के महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया है। एक साथ बड़ी संख्या में घायलों के पहुंचने के चलते मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भी अफरा–तफरी मच गई। डॉक्टरों ने युद्ध स्तर पर मोर्चा संभालते हुए घायल यात्रियों का इलाज शुरू कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार देवरिया जिले के बैतालपुर कस्बे के पास यह हादसा हुआ है। सोमवार को पूर्वाह्न 1:30 बजे के करीब गोरखपुर से एक अनुबंधित बस देवरिया आ रही थी। पूरी बस यात्रियों से भरी हुई थी। देवरिया–गोरखपुर मार्ग पर बैतालपुर नगर पंचायत से पहले अशोक विरियानी ढाबे के पास एकाएक रोडवेज की बस हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के एक टैंकर से टकरा गई।

बताया जा रहा है कि टैंकर में डीजल भरा था। इस घटना में बस का आगे का पूरा हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ढाबे के पास कट पर टैंकर मुड़ रहा था, उसी दौरान तेज रफ्तार बस उससे जा भिड़ी। एकाएक हुई इस दुर्घटना में यात्रियों को बिल्कुल भी संभलने का मौका नहीं मिला। वहां चीख–पुकार मच गई।

इस दुर्घटना में करीब 20 यात्री घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही गौरीबाजार पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों की मदद से सभी घायलों को आधा दर्जन से अधिक एंबुलेंस बुलाकर महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। एक साथ दर्जन भर से अधिक घायलों के पहुंचने से मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में अफरा–तफरी मच गई।

सीएमएस डॉ. एचके मिश्रा समेत चिकित्सकों की टीम घायलों के इलाज में जुटी है। मौके पर डीएम दिव्या मित्तल, एसपी विक्रांत वीर, एसडीएम सदर श्रुति शर्मा, सीओ संजय कुमार रेड्डी समेत कई अधिकारी जमे हुए हैं। देवरिया सदर के विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने भी मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायलों का हाल–चाल जाना।

जगन्नाथ पैलेस में गरीब श्रद्धालुओं को निःशुल्क ठहरने की होगी व्यवस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निकट सीता कुंड के पास जगन्नाथ पैलेस होटल का भव्य उद्घाटन रविवार को किया गया। जिसमें गरीब श्रद्धालुओं के लिए निरू शुल्क व्यवस्था भी रहेगी।होटल का शुभारंभ अयोध्या के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर अयोध्या के अनेक संत, महंत और श्रद्धालु उपस्थित रहे। होटल के प्रोपराइटर महेंद्र नाथ दुबे ने बताया कि यह होटल विशेष रूप से श्रद्धालुओं की सेवा और उनके ठहराव को ध्यान में रखते हुए स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा, ष्हमारा उद्देश्य है कि अयोध्या आने वाले किसी भी श्रद्धालु को रुकने और दर्शन में कोई कठिनाई न हो।होटल में आधुनिक सुविधाओं से युक्त 'वीआईपी रूम' कम खर्च में उपलब्ध कराए जाएंगे। महेंद्र नाथ दुबे ने यह भी बताया कि अगर कोई आर्थिक रूप से कमजोर श्रद्धालु अयोध्या दर्शन के लिए आता है, तो उसे निरुशुल्क रूम की सुविधा दी जाएगी। इसके साथ ही मंदिर दर्शन के लिए दो वाहनों की भी विशेष व्यवस्था की गई है। महेंद्र नाथ दुबे ने बताया कि किसने तेरे बड़े भाई देवेंद्र नाथ दुबे और उपेन्द्र नाथ दुबे सेवा के लिए पूर्ण मनोयोग से लगे हुए हैं। इस दौरान प्रोपराइटर के माता शकुंतला देवी, विजेन्द्र तिवारी, दीप्ति दुबे उर्मिला दुबे सहित परिवार के अन्य लोगों ने अतिथियों का स्वागत सत्कार किया। उद्घाटन समारोह में संतों महंतों के साथ अयोध्या की विधायक वेद प्रकाश गुप्ता भी उपस्थित रहे।

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता–श्रावस्ती। सोमवार को अग्निशमन विभाग की ओर से अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस मनाया गया। इस दौरान स्मृति परेड, श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। साथ ही अग्निशमन सेवा में जान गंवाने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रतीक श्रीवास्तव के नेतृत्व में अग्निशमन टीम की ओर से अग्नि सुरक्षा के लिए जन–जागरूकता रैली निकाली गयी। साथ ही अधिकारी व कर्मचारियों को पिन प्लेन किया गया। अग्निशमन अधिकारी संजय जायसवाल की ओर से शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्मृति दिवस के मौके पर 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह मनाया जाएगा।

अंबेडकर की जयंती पर विधायक और डीएम ने दी श्रद्धांजलि, संविधान निर्माण में योगदान को किया याद

संवाददाता–कुशीनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। पडरौना विधायक मनीष जायसवाल और जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिलाधिकारी ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एक अनूठा आंदोलन था। यह केवल राजनीतिक आजादी के लिए नहीं था। इसमें सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी गई। बाबा साहब ने देश के पहले कानून मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने महिलाओं को उत्तराधिकार का अधिकार दिलाया। साथ ही लोक सेवा में अवसर की समानता सुनिश्चित की।

विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय का जो अधिकार संविधान में है, वह बाबा साहब की देन है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान विदेशी कुप्रभावों से निकलने का मार्ग दिखाया। समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में पिरोया। उन्होंने प्रधानमंत्री

द्वारा पंचतीर्थ स्थलों के विकास की भी सराहना की। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी पी के राय, अपर जिला सूचना अधिकारी राहुल कुमार समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। जनपद के सभी सरकारी और गैर सरकारी स्थानों पर हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान के नारे के साथ बाबा साहब की जयंती मनाई गई।

इस अवसर पर माननीय विधायक पडरौना मनीष जायसवाल ने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक शिक्षा, समानता, सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य, राजनैतिक, सामाजिक स्वतंत्रता का जो अधिकार संविधान में उल्लेखनीय है वह बाबा साहब तथा उनके सहयोगियों द्वारा लिखित संविधान की ही देन है। उनका योगदान अतुल्यनीय है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान विदेशियों के कुप्रभावों, कुरीतियों से निकलने का उन्होंने मार्ग प्रशस्त किया। समाज में प्रत्येक व्यक्ति, वर्ग को एक सूत्र में पीड़ोने का कार्य किया।

इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद भी दिया, जिन्होंने पंचतीर्थ स्थानों का विकास किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता का अमृत काल का दौर चल रहा है, ष्हमारा संविधान हमारा स्वाभिमानष् के टैगलाइन के साथ जनपद के सभी सरकारी, गैर सरकारी स्थानों पर बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ बाबा साहब की जयंती मनाई जा रही है।

अंबेडकर जयंती पर डीएम–एसपी ने किया माल्यार्पण, बच्चों ने प्रस्तुत किए देशभक्ति गीत

संवाददाता–महराजगंज। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 143वीं जयंती पर अंबेडकर पार्क में भव्य श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। जिलाधिकारी अनुनय झा और पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मिणा ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित की। जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज में समानता और न्याय की अलख जगाई। उन्होंने सामाजिक समरसता की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। पुलिस अधीक्षक ने बाबा साहेब के जीवन संघर्ष और शिक्षा के प्रति समर्पण को सभी के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और स्कूली बच्चे शामिल हुए। बच्चों ने देशभक्ति गीत और बाबा साहेब पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने बाबा साहेब के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया। पार्क में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरा कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ।

बहू ने सास को मार डाला

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के सिंहपुर डाडे टोला गांव में आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सास–बहू के बीच हुए झगड़े के बाद बहू ने अपनी सास पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान 65 वर्षीय चंद्रावती पत्नी मिठाई लाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि घटना के समय घर के अन्य सदस्य बाहर गए हुए थे और घर में केवल सास–बहू ही मौजूद थीं। आपसी कहासुनी के बाद बहू ने सास पर अचानक हमला कर दिया, जिससे वह गिर गई और मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। बहू को हिरासत में ले लिया है। मामले में अभी तक कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है। प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र कुमार ने बताया– तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

धार्मिकता के साथ आर्थिक रूप से भी मजबूत हो रही है अयोध्या

धर्म सम्राट ज्ञान दास और बृजभूषण शरण सिंह ने किया सीतायनम होटल का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रद्धा, सेवा और आतिथ्य की त्रिवेणी से सुसज्जित अयोध्या नगरी में रविवार को होटल 'सीतायनम' का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हनुमानगढ़ी के धर्म सम्राट महंत ज्ञान दास महाराज तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। बृजभूषण शरण सिंह ने बताया कि अयोध्या सामाजिक और धार्मिक के साथ–साथ आर्थिक रूप से भी सशक्त हो रही है अयोध्या में अब देश ही नहीं बल्कि विदेश से भी श्रद्धालु आ रहे हैं उनकी सुविधाओं और सेवा के लिए, आवश्यकता थी जिसकी पूर्ति आज ध र्म सम्राट ज्ञान दास जी महाराज की उपस्थिति में हो गई। संकट मोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास महाराज ने बताया कि हनुमान जी महाराज भगवान के अनन्य सेवक थे और हनुमानगढ़ी में राम भक्तों की सेवा के लिए, इसका उद्घाटन किया गया जिससे अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई कष्ट न हो। प्रबंधक बृजनंदन सिंह ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए बताया कि यह होटल आरवीएस ग्रुप की एक नई शाखा है, जिसका उद्देश्य अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करना है। अतिथियों का स्वागत महंत मुकेश दास महाराज ने किया। इस अवसर पर भक्त माल पीठाधीश्वर महंत अवधेश दास, निर्वाणी अनि अखाड़ा महासचिव महंत सत्यदेव दास, श्री हनुमानगढ़ी के गद्दी नशीन श्रीमहंत प्रेमदास महाराज के उत्तराधिकारी हनुमत संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य महंत डां महेश दास, महंत रामकुमार दास, महंत बलराम दास, वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास, अभिषेक दास,शिवम श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में संत महंत मौजूद रहें।

अंबेडकर जयंती पर सरदार पटेल नगर वार्ड 50 लोगों को किया गया सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी के सरदार पटेल नगर वार्ड में संविधान निर्माता, समाज सुधारक और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पार्षद इन्द्रवती यादव के प्रतिनिधि मिथिलेश यादव उर्फ सोनू के संयोजन में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन के उपस्थित में चूणामणि चौराहा के निकट श्रद्धा और गरिमापूर्ण ढंग से मनाई गई और वार्ड के 50 लोगो को अंगवस्त्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। पूर्व मंत्री पवन पांडे ने कहा, "बाबा साहब ने हमें एक ऐसा संविधान दिया जिसमें हर वर्ग, हर जाति और हर व्यक्ति को समान अधिकार मिले। आज जरूरत है उनके बताए रास्ते पर चलकर सामाजिक एकता और न्याय को मजबूत करने की।पार्षद प्रतिनिधि मिथिलेश यादव उर्फ सोनू ने कहा, बाबा साहब के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। यह हमारा कर्तव्य है कि हम उनके विचारों को समाज के हर कोने तक पहुंचाएं और उनके आदर्शों को अपनाएं।कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं, जिनमें बच्चों और युवाओं ने अंबेडकर के जीवन पर आधारित गीत और भाषण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर समाजवादी नेता अवधेश यादव,रवि यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। राम लगन, वीरेंद्र सौरभ सुरेश रवि सहित 50 लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वार्ड के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

दबदबा है, दबदबा रहेगा, छठीहारी के जश्न में डांसर संग तमंचे पर डिस्को, 3 युवक हिरासत में

संवाददाता–देवरिया। छठीहारी के जश्न में तमंचे पर डिस्को चला। पिस्टल लहराते हुए महिला डांसर के साथ एक युवक का डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। वायरल वीडियो गौरीबाजार के एक गांव का बताया जा रहा है। मामले में तीन युवकों को हिरासत में लेकर पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

मिली जानकारी के मुताबिक गौरीबाजार के विरवां गांव में एक व्यक्ति के घर रविवार को बच्चे के छठीहार का कार्यक्रम था। शाम को डीजे भी बजाया जा रहा था। इसी बीच डीजे पर डांस कर रही एक युवती के साथ कुछ युवक भी डांस करने लगे। वे दबदबा है, दबदबा रहेगा... गाने पर डांस करते हुए पिस्टल लहराने लगे। किसी ने इसका वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होते ही पुलिस हरकत में आ गई। भोर में छापेमारी कर पुलिस ने तीन युवकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस सभी युवकों से पूछताछ में जुटी है।

वीडियो में युवक के हाथ में जो पिस्टल दिख रही है वो वैध है या अवैध इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस की कार्रवाई से जिस घर में बच्चे की छठीहारी का जश्न मनाया गया वहां लोग सकते में हैं। उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि जश्न के दौरान बरती गई लापरवाही और अराजकता के चलते कानूनी कार्रवाई शुरू हो जाएगी। बता दें कि शादी–ब्याह, मुंडन, छठीहारी आदि अवसरों पर हर्ष फायरिंग और गलती से फायर हो जाने जैसी घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं। पुलिस ऐसे मामलों में कार्रवाई भी करती है, लोगों को जागरूक भी किया जाता है लेकिन फिर भी जश्न के जोश में होश खोने के मामले पूरी तरह रुक नहीं रहे हैं। इनमें कमी जरूर आई है।

देवरिया के गौरीबाजार थाने के प्रभारी दिनेश कुमार मिश्र का कहना है कि सोशल मीडिया पर पिस्टल लहराते एक वीडियो वायरल हो रहा है। कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले में युवकों के खिलाफ मुकदमा लिखते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आठ वर्षीय बालक पर भेड़िए का हमला चबा गया आधा हाथ

संवाददाता–बहराइच। महसी के सिसैय्या चूड़ामणि के बग्गर गांव में सोमवार की भोर करीब तीन बजे घर में सो रहे एक आठ वर्षीय बालक को भेड़िया उठा ले गया। पीछे दौड़े परिजनों को बालक खेत में मिला तब तक बालक के बाएं हाथ को कोहनी से चबा गया। और गले व सिर पर भी घाव हैं। गम्भीर हालत में बच्चे को मेडिकल कॉलेज के वन्य जीव घायलों के वार्ड में भर्ती किया गया है। बीते वर्ष भी इसी इलाके में भेड़िए की दहशत मची थी।

सिसैय्या चूड़ामणि के बग्गर गांव निवासी सांभर लोधी का बालक घनश्याम(8) घर में अपनी मां के पास सो रहा था। सोते समय भेड़िए ने तेज झपट्टा मारा और बच्चे को खींचने लगा, बच्चा चीखा तो घरवालों की आंख खुल गई। इस बीच वह बच्चे को खींचकर भागा पीछे घरवाले भी दौड़े। पीछा करते व बेटे की तलाश में गांव से बाहर एक खेत में बालक गंभीर हालत में घायलावस्था में मिला। उसके बाएं हाथ की कोहनी तक चबा गया। आनन फानन में बालक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्चे का पिता का कहना है कि बालक को भेड़िया उठाकर भागा था। वह लोग उसके पीछे दौड़े थे लेकिन गेहूं के खेत में वह अंदर घुस गया। लगभग एक घंटे तलाश करने में लग गए। इस बीच बच्चे का एक हाथ कोहनी तक चबा गया था। उ० र डीएफओ अजीत प्रताप सिंह ने कहा कि यह हमला किसी भी वन्यजीव का हो सकता है। भेड़िए की अभी स्पष्ट पहचान नहीं हुई

जंगली जानवर के हमले की खबर पर प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच अजीत प्रताप सिंह समेत वन विभाग और राजस्व विभाग की टीम पहुंची। ग्रामीणों ने पूछताछ की गई। बच्चे की मां सो रही थी इसलिए उसने जानवर नहीं देखा। एक महिला ने जानवर द्वारा बच्चे को ले जाते देखे जाने की बात कही गई है। डीएफओ अजीत प्रताप सिंह का कहना है कि सुबह लगभग 04.30 बजे से 05.00 बजे के बीच सूचना मिली की महसी के ग्राम बग्गर में कोई जानवर घनश्याम नाम के बच्चे को उठा ले गया। सूचना मिलते ही वहां टीम पहुंची। बच्चे का इलाज कराया। डीएफओ ने बताया कि उन्होंने स्वयं गांव का भ्रमण किया है। बच्चा जीवित है और स्वस्थ है। गांव के अन्य लोगों से पूछताछ करने पर बताया गया कि किसी ने किसी जानवर को बच्चा ले जाते नहीं देखा। डीएफओ ने बताया कि मात्र एक महिला ने बताया कि कोई जानवर बच्चे को उठाकर ले जा रहा है। मौके पर किसी जानवर के पैरों के निशान नहीं मिले हैं। किसी डाग फैमिली का जानवर हो सकता है। आगे की छानबीन की जा रही है।

अजीत प्रताप सिंह , डीएफओ ने कहा कि अगर यह हमला भेड़िए का होगा तो शिकार अधूरा छूटने के कारण दूसरे हमले का प्रयास करेगा। इसलिए सुरक्षा के दृष्टिगत विभाग की सात टीमों को कांबिंग व उस इलाके को घेर कर नजर रखने के लिए तैनात किया गया है। साथ ही छह ट्रैप कैमरों से गांव के आस पास नजर रखी जा रही है। इलाके में वन्य जीवों के हमलों की घटनाएं ना दोहराएं इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

संविधान निर्माता बाबा साहब को किया गया नमन

संविधान देकर सबको बराबरी का हक देने का काम किया। कहा कि उनके आदर्शों पर चलकर ही हम उन्हें श्रद्धांजलि दे सकते हैं। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र तिवारी, जिला महामंत्री वरुण सिंह मोनू, बिंदु विश्वकर्मा, जिला मंत्री अवधेश तिवारी, पूर्व महामंत्री अजय सिंह पिंकू, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गोविंद सोनकर, शासकीय अधिवक्ता पवन शुक्ला, डीपी सिंह बैस, तुलसीपुर विधायक प्रतिनिधि अमरनाथ शुक्ला, विश्व मोहन द्विवेदी, समासद नंदलाल तिवारी, नगर अध्यक्ष आनंद राज श्रीवास्तव, पूर्व नगर अध्यक्ष कृष्ण गोपाल गुप्ता, धीरज मोदनवाल, सुभेंद्र मिश्रा गौरव, शिवम मिश्रा, निवर्तमान सभासद पंकज गुप्ता, कृष्ण कुमार तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। यहां उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। साथ ही लोगों को प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी पवन अग्रवाल सहित सभी अधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

एमएलके पीजी कॉलेज परिसर में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ अंबेडकर के कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. जेपी पाण्डेय के निर्देशन में महाविद्यालय के परीक्षा प्रभारी डॉ सद्गुरु प्रकाश, सह परीक्षा प्रभारी डॉ सुनील कुमार शुक्ल व स्टेनो डॉ राजकुमार चौहान ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। वहीं चौरसिया समाज बलरामपुर के पूर्व अध्यक्ष श्याम कुमार चौरसिया, महामंत्री हरिप्रसाद, संरक्षक राहुल, सुशील, राजू, सुधीर, दिलीप व वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ बीआर चौरसिया आदि ने अंबेडकर चौराहा पर बाबा साहेब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर महानमन को याद किया। डॉ चौरसिया ने कहा कि बाबा साहेब ने मानव समाज की भलाई के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। इसी तरह से संयुक्त जिला चिकित्सालय में आयोजित बाबा साहब जन्म जयंती समारोह का सदर विधायक ने शुभारंभ किया। यहां पर भी बाबा साहब को नमन किया गया। इस मौके सीएमएस डॉ राज कुमार, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ राजेश कुमार चतुर्वेदी सहित अस्पताल के चिकित्सक व कर्मी मौजूद रहे।

22 लोगों के बने आभा कार्ड

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के उतरौला में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर रैंगावा में स्थापना दिवस पर विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर मुफ्त दवाएं वितरित कीं। इस दौरान 22 नागरिकों के आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते बनाए गए। साथ ही 25 लोगों की एनसीडी स्क्रीनिंग के तहत शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच की गई।

बाप–बेटे के विवाद के बीच बुजुर्ग की मौत

संवाददाता–कुशीनगर। रामकोला में एक बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान लक्ष्मण (65) के रूप में हुई है। घटना सोमवार सुबह करीब 10 बजे चंद्रपुर स्थित पासी टोला की है। पुलिस को सूचना मिली कि सतेंद्र ने अपने पिता लक्ष्मण की गला दबाकर हत्या कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिता–पुत्र के बीच काफी दिनों से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था।

सोमवार सुबह से ही दोनों के बीच कहासुनी हो रही थी। बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और दोनों में गाली–गलौज होने लगी। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि सतेंद्र ने अपने पिता का गला दबाकर हत्या की। वहीं मृतक की पत्नी का कहना है कि उनके पति की मौत हृदय गति रुकने से हुई है। घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था।

रामकोला थाना प्रभारी आनंद गुप्ता ने बताया कि मामला संदिग्ध है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने कहा कि अभी तक की जांच में पुत्र द्वारा पिता की हत्या की सूचना गलत प्रतीत हो रही है। मौत के सही कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही चल पाएगा।

पुलिस लाइन में हुआ बलवा ड्रिल का अभ्यास

संवाददाता–श्रावस्ती। शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सोमवार को पुलिस लाइन में बलवा माकड्रिल अभ्यास का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस कर्मचारियों को आपात स्थिति से निपटने का अभ्यास कराया गया। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों से भीड़ नियंत्रण आदि का तरीका सिखाया गया। आगामी त्योहार व वक्फ संशोधन विधेयक के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के नेतृत्व में पुलिस लाइन भिनगा में बलवा ड्रिल अभ्यास आयोजित किया गया। जिसमें 200 से अधिक पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। इस अभ्यास का उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति, विशेषकर दंगा या असामाजिक भीड़ के नियंत्रण में पुलिस बल की तत्परता, दक्षता व संयमित बल प्रयोग की रणनीति को समझाना था।

महिला को निर्वस्त्र करके बनाया बंधक, घर में की लूटपाट

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। आलापुर इलाके में रविवार की रात तीन बदमाशों ने एक घर में धावा बोला। पहले तो कमरे में सो रही महिला को निर्वस्त्र कर बंधक बनाया। इसके बाद अलमारी और बक्सों का ताला तोड़कर नकदी एवं जेवरात लूट लिए। इसके बाद वारदात को अंजाम देकर भाग निकले। सुबह महिला के सास–ससुर और परिवार के अन्य लोगों को घटना की जानकारी हुई तो पुलिस को सूचना दी। एएसपी पूर्वी श्यामदेव ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस तहरीर के आधार पर केस दर्ज करके जांच कर रही है।

अंबेडकर जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

संवाददाता–संतकबीरनगर। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। मेंहदावल, धनघटा और बेलहर में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिले में अनेक स्थानों पर शोभायात्राएं निकाली गईं। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जगह–जगह स्टॉल लगाए। मेंहदावल में सपा नेता जयराम पांडेय, खलीलाबाद में जिला अध्यक्ष अब्दुल कलाम समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने संगोष्ठी में हिस्सा लिया। बेलहर क्षेत्र में सुबह से ही लोगों ने अंबेडकर स्मारकों और प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। स्कूली बच्चों ने रैलियां निकालीं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। भाषण प्रतियोगिताएं और सेमिनार में डॉ. अंबेडकर के जीवन और योगदान पर चर्चा की गई। बेलवा सेंगर, समन्था भेलाखर्ग, भगौसा, हसनी साथां लोहरसन समेत कई स्थानों पर प्रशासन की सुरक्षा में रैलियां निकलीं। राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने विशेष कार्यक्रम आयोजित किए।

नेताओं ने अपने संदेश में कहा कि डॉ. अंबेडकर का दलितों, वंचितों और महिलाओं के अधिकारों के लिए किया गया संघर्ष आज भी प्रासंगिक है। उनकी शिक्षाएं सामाजिक समरसता और न्याय के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई हैं।

राम मंदिर के गर्भगृह के मुख्य शिखर पर स्थापित किया गया कलश

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने सोमवार को बताया कि राम मंदिर के संपूर्ण परिसर में भवन निर्माण समिति की ओर से किए जा रहे काम छह महीने में समापन की तरफ बढ़ रहे हैं। तीन आवश्यक कार्य ऐसे हैं, जिनको शुरू किया जाना अति आवश्यक है। इसके अलावा किसी भी तरीके के नए निर्माण का काम नहीं किया जाएगा। प्रमुख रूप से तत्काल सुरक्षा की दृष्टि से दीवार का निर्माण होना है, जो लगभग चार किलोमीटर लंबी है और इसे 18 महीने में तैयार किया जाएगा। इसका निर्माण इंजीनियर इंडिया लिमिटेड की ओर से किया जाएगा।

राम मंदिर की सुरक्षा दीवार के लिए ऊंचाई और उसके स्वरूप को लेकर अंतिम निर्णय ले लिया गया है। मिट्टी के सॉइल टेस्ट के साथ ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने बताया कि राम मंदिर में यात्री सुविधा केंद्र की क्षमता बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। इसको लेकर राम मंदिर परिसर में 10 एकड़ भूमि पर शू रैक और 62 काउंटर बनाए जा रहे हैं। इसमें यात्री अपनी सुविधा से सामान रख सकेंगे। राम मंदिर परिसर में 10 एकड़ पर साधना स्थल या यूं कहा जाए कि एक पार्क बनाया जा रहा है। इसका धार्मिक गतिविधि में इस्तेमाल किया जाएगा। इस पार्क में रामभक्त अपने आराध्य का पूजन अर्चन राम जन्मभूमि परिसर में कर सकेंगे। इसके साथ ही इस पार्क को कुबेर टीला स्थित पार्क से मिलाया जाएगा ताकि दोनों स्थलों पर हरियाली बनी रहे।

राम मंदिर परिसर में रामभक्तों को मिट्टी वितरित किए जाने को लेकर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने खंडन करते हुए बताया कि 10 एकड़ भूमि जहां पर साधना स्थल या पार्क बनाया जाएगा, उस स्थल पर पटाई की आवश्यकता और वहीं पर मिट्टी का प्रयोग किया जाता है। जन्मभूमि की मिट्टी पूजनीय है और हम नहीं चाहते कि हमारी और राम भक्तों की आस्था को किसी तरीके की ठेस पहुंचे। इसलिए हम रामजन्म भूमि परिसर में ही इस मिट्टी का उपयोग करेंगे।

संविधान के शिल्पी को डीएम ने किया नमन, जिला में धूमधाम से मनी बाबा साहेब की 135वीं जयंती

संवाददाता–संतकबीरनगर। डॉ भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान प्रभात फेरी निकाली गई। मेंहदावल बाईपास स्थित डॉ आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। जगह– जगह गोष्ठी कर डॉ आंबेडकर के कार्यो को याद किया गया। कलक्ट्रेट पर डीएम महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में भीमराव आंबेडकर की जयंती मनी। इसी के साथ ही हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान टैगलाइन के तहत 14 से 28 अप्रैल तक 15 दिवसीय कार्यक्रम उत्सव के रूप में शुभारंभ किया गया। इस दौरान एडीएम जय प्रकाश आदि मौजूद रहे।

इसी तरह से मेंहदावल बाईपास पर खलीलाबाद विधायक अंकुरराज तिवारी ने बाबा साहब के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी ने मेंहदावल के परसा पाण्डेय में बाबा साहब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विधायक धनघटा गणेश चन्द्र चौहान ने हैंसर बाजार में बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित किया। जन प्रतिनिधियों ने डॉ आंबेडकर को याद किया। इसी क्रम में एचआरपीजी कॉलेज में एनएसएस के तत्वाधान में डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनोज कुमार वर्मा, विजय बहादुर, विद्याभूषण, प्रो विजय राय, डॉ शशिकांत राव, डॉ विजय कुमार मिश्र, फखरे आलम, सुनील आदि मौजूद रहे। भारत स्काउट और गाइड की तरफ से जिला कार्यालय पर डॉ आंबेडकर जयंती मनाई गई। यहां पर रवि प्रकाश श्रीवास्तव, योगेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे। इससे पूर्व शहर में जगह–जगह प्रभात फेरी निकाली गई। युवा वर्ग डीजे की धून पर नृत्य करता रहा। यह क्रम पूरे दिन तक चला।

मोदी–योगी सरकार पूरा कर रही बाबा साहेब का सपना –राजेश त्रिपाठी

संवाददाता–गोरखपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। बढ़हलगंज में चिल्लूपार के भाजपा विधायक राजेश त्रिपाठी ने कार्यक्रम में शिरकत की। विधायक त्रिपाठी ने कहा कि मोदी–योगी सरकार बाबा साहेब के सपनों को साकार कर रही है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने समता और समरसता वाले समाज की कल्पना की थी। साथ ही दलित, पिछड़े और महिलाओं को समान अवसर देने की सोच रखी थी। विधायक ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दलितों, पिछड़ों और गरीब सवर्णों के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। मोदी सरकार ने बाबा साहेब से जुड़े पांच स्थलों को पंच तीर्थ घोषित कर भव्य स्मारक बनाया है। कार्यक्रम में विधायक ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना भी पढ़कर सुनाई। इस मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी ब्लॉक अध्यक्ष अवधेश मणि तिवारी और चिल्लूपार संघर्ष समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार बबलू राय के नेतृत्व में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

नं0मु0– 2936 / 2023

D 202417140000279

धारा 30 (2) राजस्व संहिता

अदालत– श्रीमान अपर कलेक्टर/ अपर जिलाधिकारी (F+R) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती पुष्पा देवी

बनाम

श्रीमती विद्या गिरी आदि

1. श्रीमती विद्या गिरी पत्नी मन्टू गिरी ग्राम वलुआ तप्पा नवाई 2. सर्वेश ओझा पुत्र दिनेश ओझा 3. श्रीमती सुमन ओझा पत्नी दिनेश कुमार 4. उमेश कुमार पुत्र जगदीश चन्द 5. राजकुमार पुत्र प्रेमचन्द साकिनान मौजा ककुआ उर्फ ओझागंज तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला–बस्ती 6. हरि प्रकाश सिंह 7. विजय पाल सिंह 8. संतोष कुमार सिंह 9. राम सिंह 10. जय प्रकाश सिंह 11. बलराम सिंह 12. ओम प्रकाश सिंह पुत्रगण रामलौटन सिंह साकिनान परिवारपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला–बस्ती 13. श्रीमती सुनीता देवी पत्नी पल्टूराम 14. मो0 हुसैन पुत्र जमीरुल हसन 15. अनवर जमाल 15. सरवल जमाल पुत्रगण नजीरुल हसन 17. गुलसेर पुत्र मकबूल हसन ग्राम रखिया तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला–बस्ती 18. रवीन्द्र कुमार पुत्र शिव प्रसाद साकिन बनहा 19. श्रीमती पियारी देवी पत्नी रामउग्रह साकिन महुलानी तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला–बस्ती 20. अब्दुल कदीर पुत्र मुस्तफा 21. अब्दुल वारी 22. अब्दुल रउफ पुत्रगण नवीरहम साकिन ककुआ तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला–बस्ती 23. गरीबुल्लाह 24. अमीरुल्लाह 25. अली हसन पुत्रगण अली हसन साकिन ककुआ तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला–बस्ती 26. माता प्रसाद पुत्र बालेदीन 27. राजेश कुमार पुत्र श्याम नरायन 28. सुदामा पत्नी श्याम नरायन साकिन बलुआ तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला–बस्ती 29. प्रधान ग्रामसभा बलुआ तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला–बस्ती 30. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 17–04–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

शोएब ने युवती को प्रेमजाल में फंसाया, फिर करने लगा प्रताड़ित, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। एक युवक ने हिंदू युवती को झांसे में लेकर उसका धर्मांतरण कराया, फिर उसके साथ निकाह कर लिया। कुछ दिन बाद से ही उसे प्रताड़ित करने लगा। विरोध पर पीड़िता को पीटता। अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देता। पीड़िता किसी तरह बचकर अपने मायके पहुंची। घरवालों के साथ जाकर एसपी से मदद की गुहार लगाई। एसपी के आदेश पर धर्मांतरण समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला अकबरपुर क्षेत्र के एक गांव का है। यहां की रहने वाली युवती को शोएब ने करीब एक वर्ष पूर्व अपने प्रेमजाल में फंसाया। इसके बाद शादी का झांसा देकर नौ जून 2024 को किछौछा स्थित एक धार्मिक स्थल ले जाकर धर्मांतरण करा दिया। निकाह करने के बाद तमसा मार्ग पर किराये का मकान लेकर साथ रहने लगा। आरोप है कि निकाह के कुछ समय बाद से ही शोएब ने युवती को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। वह लगातार उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने लगा। विरोध करने पर पीड़िता को पीटता। पीड़िता और उसके परिवार के लोगों को अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। आठ अप्रैल 2025 को युवती किसी तरह उसके चंगुल से बचकर अपने मायके पहुंची। माता–पिता को पूरे प्रकरण की जानकारी दी। कुछ ही देर बाद आरोपी युवक भी युवती के घर पहुंच गया। घर वालों के सामने ही पीड़िता को पीटने लगा। धमकी दी कि यदि दोबारा यहां आई तो जान से मार डालूंगा। पीड़िता का आरोप है कि इस घटना की शिकायत कोतवाली पुलिस से की थी। लेकिन, पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। एसपी के आदेश के बाद रविवार को पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया है। कोतवाल श्रीनिवास पांडेय ने बताया कि धर्मांतरण समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने मनाई अंबेडकर जयंती

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिला कांग्रेस कार्यालय पर संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष काजी सुहेल ने कहा कि बाबा साहब ने दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए जीवन भर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि संविधान की बदौलत आज देश के गरीब और कमजोर वर्ग को कई अधिकार मिले हैं। इसी के कारण सभी लोग सम्मान के साथ देश में रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पूरा देश बाबा साहेब का सदा ऋणी रहेगा।

कार्यक्रम में सतीश चंद्र त्रिपाठी, सादिक अहमद, रंजना मिश्रा, अनिल सिंह, देवेंद्र गुड्डू, रियाज मनिहार, विक्की रिज्वी समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। अश्विनी सिंह सोलंकी, ऋषिकेश मिश्रा, सुदामा प्रसाद, ओमप्रकाश दूबे, डॉ. प्रमोद कुमार, होरी लाल, गुल मोहम्मद, शौकत अली, अकबर अली और मैनुद्दीन प्रधान भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

वार्षिकोत्सव, शारदा संगोष्ठी कार्यक्रम में सम्मानित हुए निपुण बच्चे

-प्राथमिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की नींव - एसडीएम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–बस्ती। प्राथमिक शिक्षा किसी भी शिक्षा प्रणाली की नींव होती है, जो आगे की शिक्षा और विकास के लिए आधार प्रदान करती है। उक्त बातें एसडीएम हरैया मनोज प्रकाश ने हरैया विकास खण्ड क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय रेवरादास के परिसर में आयोजित वार्षिकोत्सव, शारदा संगोष्ठी और प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा बच्चों के लिए बुनियादी कौशल और ज्ञान का आधार बनाती है जो उन्हें भविष्य के लिए तैयार करती है। कहा कि वर्तमान में परिषदीय विद्यालयों में व्यापक बदलाव हुआ है जिससे बच्चे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। विशिष्ट अतिथि बीईओ विजय आनंद ने कहा कि शिक्षकों और अभिभावकों को अपने दायित्व का निर्वहन ठीक से करना जरूरी है। शिक्षक विद्यालयों में बेहतर शिक्षा दें और अभिभावक बच्चों को नियमित स्कूल भेजें ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। अतिथियों द्वारा विद्यालय के निपुण बच्चों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना, अतिथि स्वागत गीत, शिक्षा जागरुकता, राधा कृष्ण गीत, स्कूल चलो अभियान गीत, पर्यावरण नाटक, नशा मुक्ति नाटक, राम आएंगे गीत, देशभक्ति गीत, समाज सुधारक गीत, स्वच्छता गीत सहित विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावक और क्षेत्रीय लोगों ने कार्यक्रम को खूब सराहा। कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा। मंच पर बच्चों की हर प्रस्तुति के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजीव शरण की अगुवाई में उदय प्रताप सिंह, संजय कुमार, डॉ वंदना सिंह, भागीरथी, राजरतन और अनिल धर दूबे द्वारा अतिथियों का माल्यार्पण, बैज अलंकरण और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार वर्मा ने किया।

इस अवसर पर सर्जन डॉ दीनानाथ पटेल, विनोद वर्मा, भीम सिंह, रवि कुमार, सुग्रीव वर्मा, अशोक कुमार शुक्ल, शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामसागर वर्मा, मंत्री राम प्यारे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यराम वर्मा, जिला उपाध्यक्ष रवीश कुमार मिश्र, संगठन मंत्री विवेक कान्त पाण्डेय, गिरिजेश बहादुर सिंह, सर्वदेव सिंह, डॉ श्री नारायण मिश्र, डॉ योगेश सिंह, अखिलेश सिंह, हनुमान दूबे, अमरचंद वर्मा, हरि सिंह, राकेश सिंह, आदित्य सिंह, मानिक राम वर्मा, हनुमान वर्मा, अनीता वर्मा, सीता कुमारी, मेवाल्ती देवी, प्रभात रंजन वर्मा, महेंद्र वर्मा, अरविन्द दूबे, राम नारायण, विजय के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक, अभिभावक उपस्थित रहे।

आंबेडकर जयंती की धूम, रविदास मंदिर में आयोजित हुए धार्मिक अनुष्ठान, किया गया भंडारा

संवाददाता–अयोध्या। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती के मौके पर अयोध्या के अंबेडकर पार्कों की साफ–सफाई करके सजाया गया है। यहां पर अलग–अलग कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। रविदास मंदिर में धूमधाम से जयंती मनाई गई। इस दौरान महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम की शुरुआत की। पूरे दिन आंबेडकर पार्क और रविदास मंदिर पर धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही वृहद भंडारे का भी आयोजन जगह–जगह किया गया है। जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार को प्रदेश सरकार के निर्देश पर जगह–जगह आंबेडकर पार्क में साफ सफाई की गई थी। सोमवार को यहां पर तमाम कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इस दौरान महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि बाबा साहब को पूरा देश श्रद्धा भरे हृदय से स्मरण कर रहा है। संविधान की व्यवस्थाओं के अनुरूप पूरा देश चल रहा है। हमारा देश सांस्कृतिक स्तर पर समावेशित देश बनकर उभरा है। इसमें सबसे बड़ा योगदान बाबा साहब की ओर से रचित संविधान का है। पूरा देश संविधान की गरिमा के अनुरूप आगे बढ़ रहा है। देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है और अर्थशक्ति के रूप में तेजी के साथ विकसित हो रहा है। रविदास मंदिर के महंत बनवारी दास ने कहा कि पूरे देश और दुनिया में हर्षोल्लास के साथ आज बाबा साहब की जयंती मनाई जा रही है। हम लोग बाबा साहब के विचारों पर सभी को चलने का संदेश देते रहे हैं। तमाम कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें मुख्य रूप से बाबा साहब का माल्यार्पण और वृहद भंडारे का आयोजन होगा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता खण्ड–1 लो0नि0वि0, बस्ती

पत्रांक : 1287 / 4ए — दिनांक– 05.04.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

–: ई0 निविदा सूचना :–

1– महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बस्ती द्वारा उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में भवन कार्य हेतु पंजीकृत श्रेणी–"ए बी, सी एवं डी के पात्र ठेकेदारों से प्रतिशत दरों में अधोलिखित कार्यो हेतु बिड्स आनलाइन आमंत्रित की जाती है। बिडर्स किसी भी कार्य हेतु बिड्स प्रस्तुत कर सकते है। बिडर्स को सलाह दी जाती है कि कार्य की निविदा के एवार्ड के न्यूनतम अर्हता हेतु बिडर्स को निर्देशों के अनुच्छेद 4 में अंकित अर्हता की शर्तो को नोट कर ले।

2–

क0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की समय
1	2	3	4	5	6	7
1	Basti	कोषागार कार्यालय एवं डबल लाक के छत मरम्मत का कार्य।	7.50	0.75	(स्टेशनरी चार्जेज + निविदा मूल्य+ जीएसटी) रू0 300+ 500+144= 944.00	02 माह

2– प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता UP e-tender online Account-Government के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।

3– प्रत्येक निविदा सिक्योरिटी धनराशि खाता UP e-tender online Account के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी। बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 17.04.2025 से 24.04.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा तथा तकनीकी बिड दिनांक 24.04.2025 को 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी विड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है। निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(अवधेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बस्ती

संख्या उ0प्र0 232217 दिनांक 11 / 04 / 2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

आवश्यकता है

मदरसा अरबिया अशरफुल उलूम हटवा बाजार जिला बस्ती यू०पी० में निम्नलिखित पद हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

सहायक अध्यापक तहतानिया – 01 पद

योग्यता– उ. प्र. मदरसा शिक्षा परिषद से आलिम अथवा उर्दू से इण्टर अथवा हाफिज का प्रमाण–पत्र आवश्यक है।

आयु– न्यूनतम 18 वर्ष।

नोट – वेतनमान उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुमन्य तथा उपरोक्त योग्यता में कम से कम 50 प्रतिशत नम्बर होना अनिवार्य है। उक्त योग्यता रखने वाले इच्छुक अभ्यर्थी अपना योग्यता प्रमाण पत्रों की, छायाप्रति (फोटोकापी) के साथ दिनांक 06–05–2025 तक रजिस्टर्ड डाक से या स्वयं मदरसा के दफ्तर में जमा कर सकते हैं। साक्षात्कार की सूचना रजिस्टर्ड डाक द्वारा पात्र अभ्यर्थियों को अलग से दी जायेगी। साक्षात्कार हेतु मूल प्रमाण पत्रों सहित मदरसा दफ्तर में हाजिर हों। साक्षात्कार हेतु कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

प्रबन्धक

मदरसा अरबिया अशरफुल उलूम हटवा बाजार जिला बस्ती यू०पी०

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com